दैनिक जागरण
भोपाल, 20 अक्टूबर 2016 04
www.jagranmp.com/epaper

जिसमें सबका सुख और कल्याण हो वही है सच्ची लोकनीति : शिवराज

जागरण रिपोर्टर

जिसमें सबका सुख और सबका कल्याण हो वही लोक नीति है। लोक नीति ऐसी होना चाहिये जो इन लक्ष्यों की पूर्ति कर सके। यह कहना था मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का। वे बुधवार को सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'धर्म और राज व्यवस्था' पर तीन दिवसीय चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में देश-विदेश के लगभग 200 विद्वान भाग ले रहे हैं।

इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को तकलीफ पहुंचाने से बड़ा अधर्म नहीं है। विश्व में धर्म के नाम पर सबसे ज्यादा खून बहाया गया है पर जिसके नाम पर खून बहाया गया है वह धर्म नहीं बल्कि उपासना पद्धति है।

धर्म के कई स्वरूप हैं। सत्य, अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह धर्म हैं। स्नेह, प्रेम, शांति और आत्मीयता धर्म है। जो दूसरों को आनंद दे वही धर्म है। सुख तात्कालिक होते हैं और आनंद स्थायी होता है। प्रदेश सरकार ने राज्य के नागरिकों के जीवन में आनंद लाने के लिये आनंद विभाग बनाया है। अपने उद्बबोधन में उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि सत्य एक है पर इस तक पहुंचने के रास्ते अलग-अलग हैं। भारत में हजारों वर्ष पहले कहा गया है कि सारा विश्व एक परिवार है। प्रदेश में जनता से जुड़े फैसले समाज के उस वर्ग से बात करके लागू करने की व्यवस्था की गयी है।

धर्म-धम्म सम्मेलन में आये अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों के विचार-विमर्श के बाद मिले निष्कर्ष को प्रदेश में लागू करने के प्रयास किये जायेंगे। श्री चौहान ने कार्यक्रम में सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के प्रमुख बेनेगेला उपाथिस्सा नायका थेरो ने की। कार्यक्रम में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के मंत्री सुरेंद्र पटवा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाय एस शास्त्री, इंडियन काउंसिल ऑफफिलॉसाफिकल रिसर्च के अध्यक्ष एस आर भट्ट और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता भी उपस्थित थे।

भोपाल | गुरुवार | 20 अक्टूबर 2016
नया इंडिया
समाचार सार

'सबका सुख और कल्याण हो वही लोक नीति'

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जिसमें सबका सुख और सबका कल्याण हो वही लोक नीति है। लोक नीति ऐसी होना चाहिये जो इन लक्ष्यों की पूर्ति कर सके। मुख्यमंत्री चौहान सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा 'धर्म और राज व्यवस्था' पर तीन दिवसीय चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में देश-विदेश के लगभग 200 विद्वान भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को तकलीफ पहुँचाने से बड़ा अधर्म नहीं है। विश्व में धर्म के नाम पर सबसे ज्यादा खून बहाया गया है पर जिसके नाम पर खून बहाया गया है वह धर्म नहीं बल्कि उपासना पद्धति है। धर्म के कई स्वरूप हैं। सत्य, अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह धर्म हैं। स्नेह,प्रेम,शांति और आत्मीयता धर्म है। जो दूसरों को आनंद दे वही धर्म है। सुख तात्कालिक होते हैं और आनंद स्थायी होता है। प्रदेश सरकार ने राज्य के नागरिकों के जीवन में आनंद लाने के लिये आनंद विभाग बनाया है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि सत्य एक है पर इस तक पहुँचने के रास्ते अलग-अलग हैं। भारत में हजारों वर्ष पहले कहा गया है कि सारा विश्व एक परिवार है। प्रदेश में जनता से जुड़े फैसले समाज के उस वर्ग से बात करके लागू करने की व्यवस्था की गयी है। धर्म-धम्म सम्मेलन में आये अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों के विचार-विमर्श के बाद मिले निष्कर्ष को प्रदेश में लागू करने के प्रयास किये जायेंगे।

patrika.com
पत्रिका . भोपाल . बुधवार . 19.10.2016

धम्म सम्मेलन में जुटेंगे दुनिया भर के 200 विद्वान

भोपाल. धर्म और राजव्यवस्था पर कैसे सामंजस्य बैठाया जाए। प्राथमिकता किस पर हो अथवा कौन प्रबल और कौन महत्वपूर्ण है जैसे विषयों पर अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, चीन, कोरिया जैसे देशों के लगभग 200 प्रतिनिधि राजधानी में तीन दिन मंथन करेंगे। 19 से 21 अक्टूबर तक मप्र विज्ञान एवं तकनीकी परिषद के सभागार में सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि का अंतरराष्ट्रीय आयोजन धर्म-धम्म सम्मेलन होगा। इसका शुभारंभ सीएम शिवराज सिंह चौहान 19 अक्टूबर को करेंगे।

दैनिक जागरण
राजधानी
भोपाल, 19 अक्टूबर 2016

धर्म-धम्म सम्मेलन में धर्म और राजव्यवस्था पर होगा विचार

जासि रिपोर्टर। दार्शनिक विश्व में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित हो चुके सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय आयोजन धर्म-धम्म सम्मेलन का चौथा संस्करण आज बुधवार से मप्र विज्ञान एवं तकनीकी परिषद में आयोजित हो रहा है। तीन दिवसीय इस आयोजन का विषय है धर्म और राज-व्यवस्था। इस सम्मेलन में देश और दुनिया से करीब 200 विद्वान पधार चुके हैं। सम्मेलन के लिए अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, कोरिया, चीन, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और नेप्राल से विद्वान आ चुके हैं। 19 अक्टूबर को संवैधानिक नैतिकता के रूप में धर्म, सुशासन, लोक कल्याणकारी राज्य, बहुलवाद, विकास जैसे विषयों पर शिक्षाविद, शोधार्थी और विषय विशेषज्ञ गहन मंथन करेंगे। मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता श्रीलंका महाबोधी सोसायटी के प्रमुख बेनेगला उपाथिसा नायका थेरी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर संस्कृति मंत्री सुरेंद्र पटवा शामिल होंगे।

विदेश अध्ययन यात्रा योजना
मुख्यमंत्री किसान विदेश अध्ययन यात्रा योजना के तहत किसानों को विकसित देशों में प्रचलित कृषि तकनीकों का प्रत्यक्ष अवलोकन कराने तथा प्रायोगिक जानकारी दिलवाने के लिए तकनीकी रूप से अग्रणी देशों में भेजा जाता है।

भोजपाल
स्वदेश भोपाल, 20 अक्टूबर 2016 . 12

शुभारंभ } सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि द्वारा अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं : चौहान

« स्वदेश संवाददाता। भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जिसमें सबका सुख और सबका कल्याण हो वही लोक नीति है। लोक नीति ऐसी होना चाहिये जो इन लक्ष्यों की पूर्ति कर सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान साँची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा धर्म और राज व्यवस्था पर तीन दिवसीय चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं और दूसरों को तकलीफ देने से बड़ा कोई अधर्म नहीं। भले ही धर्म की परिभाषा पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा हो, लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आम जनता में प्रचलित परिभाषा का जिक्र चतुर्थ धर्म-धम्म सम्मेलन के शुभारंभ में क़िया। अंतर्राष्ट्रीय आयोजन धर्म-धम्म सम्मेलन' के चौथे संस्करण में धर्म और राज-व्यवस्था पर दुनियाभर से पधारे सैकड़ों विद्वानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सरकार अलग-अलग विषय विद्वानों की सलाह को अपने शासन प्रशासन का आधार बनाती है और वो भी ऐसे सम्मेलनों के जरिये विद्वानों की सलाह और निष्कर्षों को जमीन पर उतारने की कोशिश करते रहते है। उन्होने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य को ही ईश्वर बताया है और जब शिकागो में धर्म नेता अपने अपने धर्मों को बेहतर साबित करने की कोशिश कर रहे थे तो स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि सत्य एक ही है लेकिन विद्वान अलग-अलग राह बताते है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्म शांति और आनंद की राह है लेकिन आज धर्म के नाम पर ही सबसे ज्यादा खून बहाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जहां आनंद मंत्रालय का गठन किया गया है और उनकी सरकार वसुधैव कुटुंबकम के संकल्प पर ही काम कर रही है। शुभारंभ सत्र में सांची विवि के कुलपति आचार्य प्रो यज्नेश्वर शास्त्री ने स्वागत भाषण दिया। सम्मेलन में पधारे अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन विवि के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने किया। भोपाल में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकि परिषद(विज्ञान भवन) के सभागार में जारी इस तीन दिवसीय सम्मेलन में अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से दर्शन के करीब 200 विद्वान और चिंतक शामिल हो रहे हैं।

सरकार चिंतन, मनन के साथ जनकल्याण में जुटीः पटवा

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और मध्यप्रदेश के संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री सुरेंद्र पटवा ने समधर्म समभाव और सुशासन की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार के कार्यों को बताते हुए कहा कि उनकी सरकार चिंतन, मनन और सबके साथ मिलकर जनकल्याण के कार्य कर रही है। समारोह के अध्यक्ष और महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बनगला उपतिस्स नायक थैरो ने कहा कि बुद्ध ने धर्म से चलकर ही धम्म का सिद्धांत दिया था और श्रीलंका से वापिस आकर धम्म धर्म के साथ मिलकर धर्म-धम्म बन गया है। उन्होने कहा कि राजधर्म का पालन सुशासन की आवश्यक शर्त है। उद्घाटन समारोह में सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद के चेयरमैन प्रो एस आर भट्ट ने कहा कि धर्म धारक के साथ नियामक भी है। उन्होने कहा कि मनुष्य सीमित है इसलिए कई बार निजहित में कार्य करता है। उन्होने बताया कि भौतिक विश्व में धर्म हमें समृद्धि और खुशहाली की तरफ ले जा सकता है। प्रो भट्ट ने कहा कि धर्म स्थायी समाधान की दिशा है जिसे अपनाने की जरुरत है।

विद्वानों के शोध पत्र प्रस्तुत

बुधवार को दिन में विभिन्न सत्रों में संवैधानिक नैतिकता के रूप में धर्म, सुशासन, लोककल्याणकारी राज्य, बहुलवाद, विकास जैसे विषयों पर विद्वानों ने अपने शोधपत्र पेश किए। 20 अक्टूबर को राज्य के निर्माण में धर्म की भूमिका, सुशासन में धर्म का स्थान, सामाजिक सुरक्षा और न्याय की स्थापना में धर्म विषयों पर विचार मंथन होगा। धर्म धम्म सम्मेलन के तीसरे और अंतिम दिन कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व के निर्वहन में धर्म तथा धर्म के माध्यम से सतत विकास विषय पर चर्चा की जाएगी। समापन समारोह की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल प्रो. ओम प्रकाश कोहली करेंगे। मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री डॉ महेश शर्मा एवं अमेरिकन वैदिक अध्ययन संस्थान के निदेशक वेदाचार्य डेविड फ्रॉले सम्मिलित होंगे। इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में शुभारंभ एवं समापन सत्र के अतिरिक्त 6 मुख्य सत्र एवं 14 तकनीकी सत्र होंगे जिनमें करीब 150 शोधपत्र पढ़े जाएंगे। सम्मेलन में धर्म एवं राजव्यवस्था के आधार, विचार और व्यवहार पक्ष पर शीर्ष नीति नियंता, विचारक, चिंतक और दार्शनिक विद्वान तीन दिन तक चिंतन, मनन और विचार मंथन करेंगे।

ogin: www.haribhoomi.com
भोपाल, गुरुवार, 20 अक्टूबर 2016
भोपाल | हरि

00 विद्वानों को संबोधित कर बोले सीएम, धर्म के नाम पर ही सबसे ज्यादा बहाया जा

न्यूज. भोपाल

ति और आनंद की राह है, लेकिन आज धर्म के
र ही सबसे ज्यादा खून बहाया जाता है, जो मानव
के लिए बेहद खतरनाक है।
त्मा गांधी, गौतम बुद्ध, स्वामी विवेकानंद जैसे
सदा अहिंसा के मार्ग पर चले और लोगों को भी
को प्रेरित किया। मप्र देश का पहला राज्य है, जहां
मंत्रालय का गठन किया गया है और वसुदेव
कम के संकल्प पर काम कर रही है।
कहना है, प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह
का। वे बुधवार को सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान
न विवि के द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय आयोजन धर्म-
सम्मेलन के चौथे संस्करण में धर्म और राज
था पर दुनियाभर से आए करीब 200 विद्वानों को
संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य को ही ईश्वर बताया है। जब शिकागो में धर्म नेता अपने-अपने धर्मों को बेहतर साबित करने की कोशिश कर रहे थे, तो स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि सत्य एक ही है। लेकिन विद्वान अलग-अलग राह बताते हैं।

राज व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अच्छी सरकार अलग-अलग विषय के विद्वानों की सलाह को अपने शासन-प्रशासन का आधार बनाती है। ऐसे सम्मेलनों के जरिए विद्वानों की सलाह और निष्कर्षों को जमीन पर उतारने की कोशिश करते रहते हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और मप्र के संस्कृति और पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा ने सवधर्म समभाव और सुशासन की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार के कार्यों को बताते हुए कहा कि उनकी सरकार चिंतन मनन और सबके साथ मिलकर जनकल्याण के कार्य कर रही है।

खास बातें

- सांची बौद्ध विवि के द्विवार्षिक धर्म-धर्म सम्मेलन का आयोजन
- मप्र देश का पहला राज्य जहां गठित है आनंद मंत्रालय शिवराज

भोपाल। सांची विवि के द्विवार्षिक आयोजन धर्म-धम्म सम्मेलन में दुनियाभर से आए 200 विद्वानों को सीएम ने किया संबोधित।

सैंकड़ों धर्मगुरु

समारोह के अध्यक्ष और म
प्रमुख बनगला उपतिस्स ना
कहा कर ही धम्म का सिद्धा
आदम धम्म धर्म के साथ
उन्होंने कहा कि राजधर्म
शर्त है। उद्घाटन समारोह
डालते हुए भारतीय दर्शन
एसआर भट्ट ने कहा कि
उन्होंने कहा कि मनुष्य सी
में कार्य करता है। शुभारं
अध्ययन विवि के कुलपति
स्वागत भाषण दिया। इस
धर्मगुरु मौजूद रहे।

Central Chronicle
City News

Bring happiness and welfare of the people is public policy

Staff Reporter, Bhopal

Chief Minister , Shivraj Singh Chouhan said that policy which brings happi-s and welfare to the people is a Public policy. Moreover, public policy should be framed keeping in mind the welfare of the mankind.

Chief Minister Chouhan was addressing the inaugural session of the three day 4th Dharm-Dhamm convention on "Dharm Aur Raj Vyavastha" organized by Sanchi Bodhha evam Bhartiya Gyan Adhdhyan Vishvavidhyalaya. Around 200 scholars of India and abroad are taking part in the convention.

Chouhan further mentioned that there is no better religion than welfare of others and to offense others is a big iniquity. Enormous blood has been spilled in the world in the name of the religion and reason on which blood is spilled is not a religion. There are many forms of religion, Truth, non violence, renunciation besides affection, peace and affinity is religion. Whatever pleases others is religion. Happiness is momentary and complacency is permanent. The state government has formed Anand department to bring complacency in the lives of people. Swami Vivekanand has said that truth is one and there are different ways to reach truth. World is a one family was said in India 1000 years back. Arrangements have been made to implement decisions related to public welfare after deliberations with society. Efforts will be made to implement conclusion of the deliberation between different scholars participating in the convention.

CM Chouhan released Coffe Table Book of Sanchi Bodhh evam Bhartiya Gyan Adhdhyan Vishvavidhyalaya. Inaugura session was chaired by the Chie of Srilanka Mahabodhi Society Benegela Upathissa Thero. Minister of State for tourism an culture (Independent Charge Surendra Patwa, Vice Chancellor of the University Prof. Y.S Shastri, Chairman of India Council of Philosophica Reasearch S. R. Bhatt and Reg istrar of the University Rajes Gupta were present on the occasion.

सांध्य प्रकाश 3
भोपाल, बुधवार 19 अक्टूबर 2016

जिसमें सबका सुख और कल्याण हो वही लोक नीति : शिवराज

नगर प्रतिनिधि . भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जिसमें सबका सुख और सबका कल्याण हो वही लोक नीति है। लोक नीति ऐसी होना चाहिये जो इन लक्ष्यों की पूतिर कर सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज यहां सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा धर्म और राज व्यवस्था विषय पर आयोजित तीन दिवसीय चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन के शुभारंभ सत्र का संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को तकलीफ पहुंचाने से बड़ा अधर्म नहीं है। विश्व में धर्म के नाम पर सबसे ज्यादा खून बहाया गया है पर जिसके नाम पर खून बहाया गया है वह धर्म नहीं बल्कि उपासना पद्धति है। धर्म के कई स्वरूप है।

धर्म और राज व्यवस्था विषय पर चौथा धर्म-धम्म सम्मेलन आरंभ

सत्य, अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह धमज् है। स्नेह, प्रेम, शांति और आत्मीयता धमज् है। जो दूसरों को आनंद दे वही धमज् है। सुख तात्कालिक होते हैं और आनंद स्थायी होता है। प्रदेश सरकार ने राज्य के नागरिकों के जीवन में आनंद लाने के लिये आनंद विभाग बनाया है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है सत्य एक है पर इस तक पहुंचने के रास्ते अलग-अलग है। भारत में हजारों वर्ष पहले कहा गया है कि सारा विश्व एक परिवार है। प्रदेश में जनता से जुड़े फैसले समाज के उस वगद् से बात कर लेने की व्यवस्था लागू की गयी है। धर्म धम्म सम्मेलन में आये अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों के विचार विमर्श के बाद मिले निष्कर्ष को प्रदेश में लागू करने के प्रयास किये जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की काफी टेबल बुक का विमोचन किया। शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता श्रीलंका महाबोधी सोसायटी के प्रमुख बेनेगेला उपाथिसा नायका थेरो ने की। कार्यक्रम में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के मंत्री सुरेंद्र पटवा, सांची बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो वाय एस शास्त्री, इंडियन काउंसिल ऑफ फिलासाफिकल रिसर्च के अध्यक्ष एसआर भट्ट, सांची बौद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता उपस्थित थे। सांची बौद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भवन नेहरू नगर में आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश के लगभग 200 विद्वान भाग ले रहे हैं।

दूसरों की भलाई करने से बड़ा कोई धर्म नहीं

तीन दिवसीय चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन का शुभारंभ

भोपाल, देशबन्धु

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा धर्म और राज व्यवस्था पर आयोजित तीन दिवसीय चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए बुधवार को यहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जिसमें सबका सुख और सबका कल्याण हो, वही लोक नीति है। लोक नीति ऐसी होना चाहिए जो इन लक्ष्यों को पूरा कर सके। चौहान ने आगे कहा कि दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को तकलीफ पहुंचाने से बड़ा कोई पाप नहीं है। विश्व में धर्म के नाम पर सबसे ज्यादा खून बहाया गया है, लेकिन जिसके नाम पर खून बहाया गया, वह धर्म नहीं, बल्कि उपासना पद्धति है। उन्होंने कहा कि धर्म के कई स्वरूप हैं। सत्य, अहिंसा धर्म हैं। स्नेह, प्रेम, शांति और आत्मीयता धर्म है। दूसरों को जो आनंद दे वही धर्म है। सुख तात्कालिक होते हैं और आनंद स्थायी होता है। प्रदेश सरकार ने राज्य के नागरिकों के जीवन में आनंद लाने के लिए एक आनंद विभाग बनाया है। मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद के उपदेश को दोहराते हुए कहा कि सत्य एक है, लेकिन वहां तक पहुंचने के रास्ते अलग-अलग हैं। भारत में हजारों वर्ष पहले कहा गया कि सारा विश्व एक परिवार है।

धर्म-धम्म सम्मेलन में देश-विदेश के लगभग 200 विद्वान भाग ले रहे हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि धम्म सम्मेलन में आए अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों के बीच चर्चाओं से निकले निष्कर्ष को प्रदेश में लागू करने के प्रयास किए जाएंगे।

शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के प्रमुख बेनेगेला उपातिस्सा नायका थेरो ने की। कार्यक्रम में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के मंत्री सुरेंद्र पटवा, सांची बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाय एस शास्त्री, इंडियन कांउसिल ऑफ फिलॉसफिकल रिसर्च के अध्यक्ष एस आर भट्ट और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता उपस्थित थे।

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL
THURSDAY, OCTOBER 20, 2016

When happiness is a govt policy

TIMES NEWS NETWORK

A Moeed Faruqui

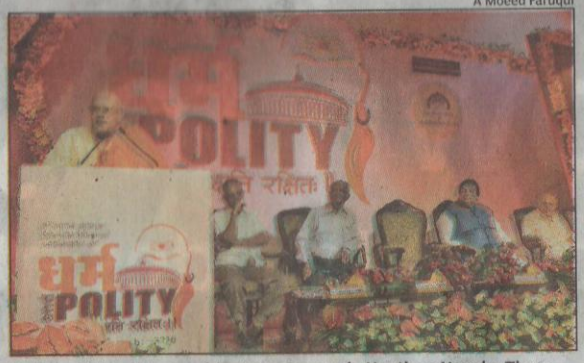

Mahabodhi Society president Ven Banagala Upatissa Nayaka Thero delivering a lecture at the conference in Bhopal on Wednesday

Bhopal: Chief minister Shivraj Singh Chouhan said that public policies should aim at making the common people happy. "Policies should be framed keeping in mind welfare of the mankind," he said while inaugurating the fourth edition of

DHARMA-DHAMMA CONFERENCE

Dharma-Dhamma convention organized by Sanchi Bodhha Evam Bhartiya Gyan Adhdhyan Vishvavidhyalaya on Wednesday.

Around 200 scholars from across the world are taking part in the three-day convention based on the theme 'Dharm Aur Raj Vyavastha.'

"There is no better religion than welfare of others. Blood has been spilled across the world in the name of religion. A deeper analysis reveals that the actual reason was never religion. There are many forms of religion. Truth, non-violence, renunciation besides affection, peace and affinity is religion," Chouhan said.

He added: "Whatever pleases others is religion. Happiness is momentary and complacency is permanent. The state government has formed Anand department to bring happiness in the lives of people."

Swami Vivekanand has said that truth is one and there are different ways to reach truth, he further said. Organisers said: "World is a one family was said in India 1000 years back. Arrangements have been made to implement decisions related to public welfare after deliberations with society. Efforts will be made to implement conclusion of the deliberations between different scholars participating in the convention."

CM released Coffee Table Book of Sanchi Bodhha evam Bhartiya Gyan Adhdhyan Vishvavidhyalaya. Inaugural session was chaired by chief of Srilanka Mahabodhi Society Benegela Upathissa Thero. Minister of state for tourism and culture (Independent Charge) Surendra Patwa, vice chancellor of the University Prof YS Shastri, Chairman of Indian Council of Philosophical Reasearch SR Bhatt and registrar of the University Rajesh Gupta were present.

(2)

एलएनस्टार

20-10-16

www.lnstarnews.com

[राजधानी]

जिसमें सबका कल्याण हो वही लोक नीति

"धर्म और राज व्यवस्था" पर धर्म-धम्म सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा

एलएन स्टार, भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जिसमें सबका सुख और सबका कल्याण हो वही लोक नीति है। लोक नीति ऐसी होना चाहिये जो इन लक्ष्यों की पूर्ति कर सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा 'धर्म और राज व्यवस्था' पर तीन दिवसीय चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में देश-विदेश के लगभग 200 विद्वान भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को तकलीफ पहुंचाने से बड़ा अधर्म नहीं है। विश्व में धर्म के नाम पर सबसे ज्यादा खून बहाया गया है पर जिसके नाम पर खून बहाया गया है वह धर्म नहीं बल्कि उपासना पद्धति है। धर्म के कई स्वरूप हैं। सत्य, अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह धर्म हैं। स्नेह,प्रेम,शांति और आत्मीयता धर्म है। जो दूसरों को आनंद दे वही धर्म है। सुख तात्कालिक होते हैं और आनंद स्थायी होता है।

प्रदेश सरकार ने राज्य के नागरिकों के जीवन में आनंद लाने के लिए आनंद विभाग बनाया है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि सत्य एक है पर इस तक पहुंचने के रास्ते अलग-अलग हैं। भारत में हजारों वर्ष पहले कहा गया है कि सारा विश्व एक परिवार है। प्रदेश में जनता से जुड़े फैसले समाज के उस वर्ग से बात करके लागू करने की व्यवस्था की गयी है। धर्म-धम्म सम्मेलन में आये अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों के विचार-विमर्श के बाद मिले निष्कर्ष को प्रदेश में लागू करने के प्रयास किये जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के प्रमुख बेनेगला उपतिस्स नायका थेरो ने की। कार्यक्रम में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के मंत्री सुरेंद्र पटवा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.वायएस शास्त्री, इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसाफिकल रिसर्च के अध्यक्ष एसआर भट्ट और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर | भोपाल | भोपाल, गुरुवार 20 अक्टूबर, 2016 | 6

धम्म सम्मेलन | मैपकॉस्ट में श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के प्रमुख ने कहा-

राजधर्म का पालन ही गुड गवर्नेंस

सांची बौद्ध विवि के सम्मेलन के पहले दिन का निष्कर्ष

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

धर्म को राजनीति व राज्य व्यवस्था से अलग रखने का नतीजा भ्रष्टाचार के रूप में सामने आया है। राजनीति से ताकत मिलती है, लेकिन राजनीतिक दल इस ताकत का उपयोग अपनी विचारधारा को लागू करने में कर रहे हैं। कोई धर्म मानवता के विरुद्ध जाकर दूसरों को मारने के लिए नहीं कहता है। अगर ऐसा हो रहा है तो इसका बड़ा कारण राजनीति से धर्म को अलग रखना है। यह विचार चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन में निकलकर सामने आए। सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि के बुधवार से मैपकॉस्ट में शुरू हुए सम्मेलन में सभी वक्ताओं ने धर्म और राज व्यवस्था को एक-दूसरे का पूरक बताया।

श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के प्रमुख बेनेगेला उपाथिस्सा नायका थेरो ने कहा कि मैंने बुद्ध का दर्शन भारत में सीखा है। यहां के लोगों को गुड गवर्नेंस सीखने के लिए अन्य देशों में जाने की जरूरत नहीं है। राजधर्म का पालन ही गुड गवर्नेंस है। राज्य जब धर्म को स्वीकार करेंगे तभी वे बेहतर व्यवस्था दे सकेंगे। नेता और नौकरशाहों के धर्म का पालन करने पर ही गुड गवर्नेंस होगा। इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसाफिकल रिसर्च के अध्यक्ष एसआर भट्ट ने कहा कि राज्यों के द्वारा जो आतंकवाद पैदा किया जा रहा है, वो बिगड़ते माहौल के लिए जिम्मेदार है। बेहतर व्यवस्था के लिए राजनीति व ज्यूडिशियरी एक संस्था की तरह काम करती है, लेकिन इन्हें नियंत्रित व्यक्ति विशेष ही करता है। जब इन क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्ति अपने व्यक्तिगत हित देखने लगते हैं तो भ्रष्टाचार बढ़ने लगता है। बहाई कम्युनिटी ऑफ इंडिया व लोटस टेम्पल के नेशनल ट्रस्टी डॉ. एके मर्चेंट ने कहा कि पश्चिमी देश संसार को बाज़ार मानते हैं लेकिन भारत इसे परिवार कहता है। बहुत से देशों में धर्म को गलत परिभाषित किया है।

चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संबोधित किया।

सम्राट अशोक ने शुरू किया था सूचना का अधिकार

गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा के रिसर्च स्कॉलर चंदन कुमार ने कहा कि नागरिकों को सबसे पहले सूचना का अधिकार देने वाला स्वीडन पहला देश था। लेकिन ऐतिहासिक तथ्यों के मुताबिक मौर्य सम्राट अशोक ने धम्म नीति के तहत पहली बार नागरिकों को सूचना का अधिकार दिया था। अशोक पहले राजा थे, जिन्होंने जानकारी नागरिकों को देनी शुरू की थी।

धर्म के नाम पर सबसे ज्यादा खून बहाया गया है : मुख्यमंत्री

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विश्व में धर्म के नाम पर सबसे ज्यादा खून बहाया गया है पर वह धर्म नहीं बल्कि उपासना पद्धति है। उन्होंने सम्मेलन के निष्कर्ष को प्रदेश में लागू करने की बात कही। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री सुरेंद्र पटवा व बौद्ध विवि के कुलपति प्रो.वायएस शास्त्री, रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता सहित अन्य विद्वान मौजूद थे।

प्रदेश टुडे भोपाल, बुधवार, 19 अक्टूबर 2016

धर्म मार्ग से ही गुड गवर्नेंस संभव: शिवराज

धर्म एवं राजव्यवस्था पर 100 विद्वानों का 3 दिवसीय चिंतन शुरू

राजनीतिक संवाददाता, भोपाल

सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिस्ट इंडिक स्टडीज का विमोचन करते करते हुए राज्यपाल ओपी कोहली, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पर्यटन राज्य मंत्री सुरेंद्र पटवा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि दूसरों की भलाई करना, पीड़ित मानवता की सेवा करना ही धर्म है और किसी को नुकसान पहुंचाना अधर्म है। धर्म के रास्ते पर चल कर ही गुड गवर्नेंस संभव है। बुधवार से राजधानी में धर्म एवं राज-व्यवस्था पर शुरू हुए तीन दिवसीय दार्शनिक समारोह का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सरकार के लिए विद्वानों की चर्चा से निकले मंथन को जमीन पर उतारना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि शांति की बात करने वाले धर्मों के नाम पर पहले काफी खून बह चुका है जबकि हर धर्म शांति और सद्भाव की सीख देता है। इस अवसर पर महाबोधि सोसायटी श्रीलंका बनागला उपतिस्सा नायकाथेरो ने कहा कि दुनिया में कई तरह की समस्याएं हैं पर इनका हल धर्म में दिखाए मार्ग पर चलकर ही किया जा सकता है।

भोपाल
युग प्रदेश
महानगर
भोपाल, गुरुवार 20 अक्टूबर 2016 | 3

धर्म और राज व्यवस्था पर धर्म-धम्म सम्मेलन में मुख्यमंत्री

यही लोक नीति जिसमें सबका सुख और कल्याण हो

युग प्रदेश,भोपाल

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा
जिसमें सबका सुख और सबका
ण हो वही लोक नीति है। लोक
ऐसी होना चाहिये जो इन लक्ष्यों
र्ति कर सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान
बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन
विद्यालय द्वारा धर्म और राज
स्था पर तीन दिवसीय चौथे धर्म-
सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को
धित कर रहे थे। सम्मेलन में देश-
श के लगभग 200 विद्वान भाग ले
हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि
ों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं
ौर दूसरों को तकलीफ पहुँचाने से बड़ा अधर्म नहीं है। विश्व में धर्म के नाम पर सबसे ज्यादा खून बहाया गया है पर जिसके नाम पर खून बहाया गया है वह धर्म नहीं बल्कि उपासना पद्धति है। धर्म के कई स्वरूप हैं। सत्य, अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह धर्म हैं। स्नेह,प्रेम,शांति और आत्मीयता धर्म है। जो दूसरों को आनंद दे वही धर्म है। सुख तात्कालिक होते हैं और आनंद स्थायी होता है।

प्रदेश सरकार ने राज्य के नागरिकों के जीवन में आनंद लाने के लिये आनंद विभाग बनाया है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि सत्य एक है पर इस तक पहुँचने के रास्ते अलग-अलग हैं। भारत में हजारों वर्ष पहले कहा गया है कि सारा विश्व एक परिवार है। प्रदेश में जनता से जुड़े फ़ैसले समाज के उस वर्ग से बात करके लागू करने की व्यवस्था की गयी है। धर्म-धम्म सम्मेलन में आये अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों के विचार-विमर्श के बाद मिले निष्कर्ष को प्रदेश में लागू करने के प्रयास किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में साँची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की काफी टेबल बुक का विमोचन किया। शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के प्रमुख बेनेगेला उपाथिस्सा नायका थेरो ने की। कार्यक्रम में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के मंत्री सुरेंद्र पटवा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.वाय.एस.शास्त्री, इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसाफिकल रिसर्च के अध्यक्ष एस.आर. भट्ट और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता उपस्थित थे।

HINDUSTAN TIMES, BHOPAL
THURSDAY, OCTOBER 20, 2016

HOLY CONVERGEN

■ Sri Lanka's Mahabodhi Society president Banagala Upatissa Thero, chief minister Shivraj Singh Chouhan and culture minister Surendra Patwa inaugurate the fourth International Dharma-Dhamma Conference on Religion and Polity in Bhopal on Wednesday. PTI PHOTO

साँध्य प्रकाश
भोपाल, गुरुवार 20 अक्टूबर 2016

सांची विवि में धर्म और राज व्यवस्था पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

विशेषज्ञों ने बताए रामायण में धर्म-राजनीति के अंतर्संबंध

नगरप्रतिनिधि.भोपाल

सांची विवि की ओर से धर्म और राजव्यवस्था विषय पर मेपकॉस्ट में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे मुख्य अतिथियों में शिवान आश्रम के प्रमुख स्वामी अध्यात्मानंद, चाइना विवि के प्रो. हैयान शेन, शांतिगिरी आश्रम के स्वामी पद्मप्रकाश जन्न तपस्वी और सारनाथ विवि के कुलपति प्रो. जी नवांग समतेन ने बाल्मीकि रामायण में धर्म और राजनीति का अंतर्संबंध और भारतीय दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान देश विदेश से आए डेलिगेट्स में भानुप्रताप सिंह बुंदेला ने राज्य में धर्म की भूमिका,

The Hitavada
BHOPAL ■ Thursday ■ October 20 ■ 2016

Policy which brings happiness, welfare to people is public policy: CM Chouhan

Chief Minister Shivraj Singh Chouhan speaking at the 4th Dharm-Dhamm convention organised by Sanchi Bodhha evam Bharatiya Gyan Adhdhyan Vishvavidyalay" on Wednesday. (Pic by Laeeq Khan)

■ Staff Reporter

CHIEF Minister Shivraj Singh Chouhan said that policy which brings happiness and welfare to the people is a public policy. Moreover, public policy should be framed keeping in mind the welfare of the mankind.

Chouhan was speaking at the inaugural session of the three-day 4th Dharm-Dhamm convention on "Dharm Aur Raj Vyavastha" organised by "Sanchi Bodhha evam Bhartiya Gyan Adhdhyan Vishvavidyalaya". Around 200 scholars of India and abroad are taking part in the convention.

Chouhan further mentioned that there is no better religion than welfare of others and to offence others is a big iniquity. Enormous blood has been spilled in the world in the name of the religion and reason on which blood is spilled is not a religion. There are many forms of religion. Truth, non violence, renunciation besides affection, peace and affinity is religion. Whatever pleases others is religion. Happiness is momentary and complacency is permanent. The State Government has formed Anand Department to bring complacency in the lives of people. Swami Vivekanand has said that truth is one and there are different ways to reach truth. World is a one family was said in India 1000 years back. Arrangements have been made to implement decisions related to public welfare after deliberations with society. Efforts will be made to implement conclusion of the

(Contd on page 2)

Policy which brings happiness, welfare...

deliberations between different scholars participating in the convention. Chouhan also released Coffee Table Book of "Sanchi Bodhha evam Bhartiya Gyan Adhdhyan Vishvavidyalaya".

Inaugural session was chaired by the Chief of Sri Lanka Mahabodhi Society Benegela Upathissa Thero. Minister of State for Tourism and Culture (Independent Charge) Surendra Patwa, Vice Chancellor of the University Professor Y S Shastri, Chairman of Indian Council of Philosophical Research S R Bhatt and Registrar of the University Rajesh Gupta were present on the occasion.

दबंग दुनिया
भोपाल, गुरुवार, 20 अक्टूबर 2016

सांची विवि में धर्म-धम्म सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोले मुख्यमंत्री-

'दूसरों का भला करना और उनके सुख से सुखी होना ही धर्म है'

दबंग रिपोर्टर ✪ भोपाल

दूसरों की भलाई करना और दूसरों के सुख से सुखी होना ही धर्म है। अच्छी सरकार के लिए जरूरी है कि धर्म और राजव्यवस्था से जुड़े विशेषज्ञों से समयांतर चर्चा की जानी चाहिए।

यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा धर्म और राज-व्यवस्था पर तीन दिवसीय चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। सम्मेलन में देश-विदेश के लगभग 200 विद्वान भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए आनंद मंत्रालय का भी जिक्र किया। उन्होंने शांति की बात पर भी सबसे ज्यादा जोर दिया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्रीलंका की महाबोधी सोसायटी के अध्यक्ष वेन बनगला उपातिसा नायका थेरो और संस्कृति मंत्री सुरेंद्र पटवा मौजूद थे।

मैंने श्रीलंका नहीं, भारत में प्राप्त किया बुद्ध ज्ञान : थेरो

थेरो ने धर्म और राजनीति के संबंधों को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मैंने भारत में ही भारतीय दर्शन और बुद्ध ज्ञान प्राप्त किया और सीखा। श्रीलंका में नहीं। वहीं संस्कृति मंत्री सुरेंद्र पटवा ने कहा कि मध्यप्रदेश संस्कृति से भरा हुआ है। हमारी सरकार धर्म और राज व्यवस्था के लेकर समय-समय सामंजस्य स्थापित करती आ रही है। मुख्यमंत्री की पहल पर भारत में पहला आनंद मंत्रालय भी मध्यप्रदेश की राजधानी में स्थापित किया जा रहा है।

एक्सप्रेस न्यूज
भोपाल, गुरूवार
20 अक्टूबर 2016

जिसमें सबका सुख और कल्याण हो वही लोक नीति : शिवराज

धर्म और राज व्यवस्था पर धर्म-धम्म सम्मेलन में मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल (ईएमएस)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जिसमें सबका सुख और सबका कल्याण हो वही लोक नीति है। लोक नीति ऐसी होना चाहिये जो इन लक्ष्यों की पूर्ति कर सके। मुख्यमंत्री सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा 'धर्म और राज व्यवस्था' पर तीन दिवसीय चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन के शुभारंभ सत्र में संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में देश-विदेश के लगभग 200 विद्वान भाग ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को तकलीफ पहुंचाने से बड़ा अधर्म नहीं है। विश्व में धर्म के नाम पर सबसे ज्यादा खून बहाया गया है पर जिसके नाम पर खून बहाया गया है वह धर्म नहीं बल्कि उपासना पद्धति है। धर्म के कई स्वरूप हैं। सत्य, अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह धर्म हैं। स्नेह,प्रेम,शांति और आत्मीयता धर्म है। जो दूसरों को आनंद दे वही धर्म है। सुख तात्कालिक होते हैं और आनंद स्थायी होता है। प्रदेश सरकार ने राज्य के नागरिकों के जीवन में आनंद लाने के लिये आनंद विभाग बनाया है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि सत्य एक है पर इस तक पहुँचने के रास्ते अलग-अलग हैं। भारत में हजारों वर्ष पहले कहा गया है कि सारा विश्व एक परिवार है। प्रदेश में जनता से जुड़े फैसले समाज के उस वर्ग से बात करके लागू करने की व्यवस्था की गयी है।

धर्म-धम्म सम्मेलन में आये अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों के विचार-विमर्श के बाद मिले निष्कर्ष को प्रदेश में लागू करने के प्रयास किये जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की काफी टेबल बुक का विमोचन किया। शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के प्रमुख बनेगेला उपाधिस्सा नायका थेरो ने की।

नव भारत
2 भोपाल, शुक्रवार, 21 अक्टूबर, 2016

धर्म के मार्ग से मिलेगा मानवता को समाधान

धर्म का कर्तव्य गांव, राष्ट्र और विश्व का करे निर्माण

भोपाल, 20 अक्टूबर. धर्म और राजनीति विषय पर सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन में चीनी बुद्ध दर्शन हिन्दुत्व और एकात्म तथा अन्य कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार मंथन हुआ.

कार्यक्रम के दूसरे दिन आयोजित चौथे सत्र में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह ने कहा कि धर्म के रास्ते से ही मानवता को हर परेशानी का हल मिल सकेगा. उन्होंने कहा कि धर्म का कर्तव्य है कि वो गांव, राष्ट्र और विश्व का निर्माण करे और इसके लिए हमें ऐसे तरीके ढूंढने होंगे जिससे विश्व एक समुदाय के रूप में सामने आ सके. वहीं प्रो. गौतम पटेल ने हिन्दुत्व की विभिन्न परिभाषाओं को उल्लेखित किया. उन्होंने बताया कि हिन्दू शब्द का एक अर्थ यह भी होता है कि ऐसा व्यक्ति जो घृणा से रहित हो और सभी किस्म की बुराइयों से दूर रहे. इसी सत्र के दौरान शंघाई विश्वविद्यालय चीन की प्रोफेसर हेयान शेन ने बताया कि चीनी बुद्ध दर्शन में धर्म को तीन विभिन्न श्रेणियों में बांटा गया है. यही तीन श्रेणियां चीनी बौद्ध दर्शन के तीन अलग-अलग सत्य के सिद्धांत हैं.

उन्होंने कहा कि चीनी बौद्ध दर्शन के अनुसार धर्म को सूक्ष्म बताया गया है और कई स्थानों पर इसी धर्म को मस्तिष्क से भी दर्शाया गया है. धर्म और राजनीति पर नई दिल्ली के शांतिगिरि आश्रम के स्वामी पद्मप्रकाश तपस्वी ने कहा कि धर्म का अर्थ कर्म का अभ्यास है. उन्होंने कहा कि धर्म किसी भी व्यक्ति को सही और गलत के मार्ग के बीच स्पष्टता दर्शाता है और यही न्याय की स्थापना करता है.

आज धर्म-धम्म सम्मेलन का समापन सत्र होगा. समापन सत्र की अध्यक्षता मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल प्रो. ओम प्रकाश कोहली करेंगे. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री डॉ. महेश शर्मा एवं अमेरिकन वैदिक अध्ययन संस्थान के निदेशक वेदाचार्य डेविड फ्रॉले सम्मिलित होंगे. समापन सत्र सुबह 11 बजे आयोजित है. कार्यक्रम के अंतिम सत्र में भारत के पूर्व राजदूत बसंत गुवा भी सम्मिलित होंगे.

कई देशों के प्रतिनिधि जुटे एक मंच पर

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी विश्वविद्यालय के प्रो. ब्रिखा नासोराइया ने बताया कि गुरु-शिष्य परंपरा ने सदैव से ही मनुष्य को प्रभावित किया है और मार्ग दिखायी. उन्होंने कहा कि इसी तरह से मनुष्य अपने पूर्वजों से सीखता आया है प्रो. ब्रिखा का कहना था कि एकात्मकता और एकीकरण की व्यवहारिक प्रक्रिया ही मनुष्य को आध्यात्मिक अनुशासन सिखाती है. पुणे से आए संपादक वसंत गाडगिल ने कहा कि सभी शास्त्रों का आधार सभी का कल्याण है. वर्तमान में मनुष्य ने धर्म के व्यवहारिक पहलू को खो दिया है इसी वजह से सभी प्रकार का प्रदूषण हो रहा है. धर्म सम्मेलन में शामिल होने के लिए धर्म राज व्यवस्था के विशेषज्ञ शिक्षाविद एवं शोधकर्ता अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, चीन, कोरिया, थाईलैंड और श्रीलंका से लोग इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने आए हैं. इस दौरान बड़ी संख्या में देश के विभिन्न राज्यों से भी शिक्षाविद् सम्मिलित रहे.

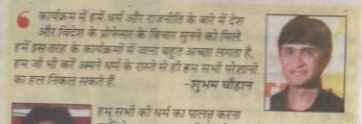

कार्यक्रम में हमें धर्म और राजनीति के बारे में देश और विदेश के प्रोफेसर के विचार सुनने को मिले. हमें इस तरह के कार्यक्रमों में जाना बहुत अच्छा लगता है. हम जो भी कहें अपने धर्म के रास्ते से ही हम सभी परेशानी का हल निकाल सकते हैं.
-शुभम चौहान

हम सभी को धर्म का पालन करना चाहिये. एकात्मकता और एकीकरण से ही हम अपने देश और विश्व का कल्याण कर सकते हैं. कार्यक्रम में हमने सभी महानुभावों को सुना और उनके विचार जाने. ऐसे कार्यक्रम युवाओं को नई दिशा प्रदान करते हैं.
-सुनील कुमार साहू, स्टूडेंट

हम सभी को एक होकर काम करना है. स्वामी जयप्रकाश तपस्वी ने धर्म का अर्थ कर्म का अभ्यास है, बताया, जो मुझे बहुत अच्छी बात लगी. ऐसे कार्यक्रमों में हमें शामिल होना चाहिये, जिससे हम अपने धर्म और अन्य बातों को जान सकें.
-जीशान खान, स्टूडेंट

दैनिक जागरण
21 अक्टूबर, 2016

किष्किंधा कांड से बताई धर्म की कथा

दैनिक भास्कर
भोपाल, शुक्रवार 21 अक्टूबर, 2016 | 9

धर्म-धम्म सम्मेलन | खुलासा करते हुए आस्ट्रेलिया से आए डॉ. नासोराइया ने कहा-

कुछ सदी पहले भारत में बसते थे 'आदम' को पूजने वाले 'मेंडियन'

धर्म की अधिकतर आध्यात्मिक बातें हिंदू व बौद्ध धर्म से मिलती हैं

धर्म का कर्तव्य है कि राष्ट्र का निर्माण करे

धर्म का अर्थ कर्म का अभ्यास

नि:शुल्क पंजीयन
मध्यप्रदेश शासन द्वारा 11 नवंबर 2016 से 08 मार्च 2017 तक नर्मदा के दोनों तट पर 'नमामि देवी नर्मदे' नर्मदा सेवा यात्रा आयोजित की जा रही है। नर्मदा सेवा यात्रा में शामिल होने हेतु प्रतिभागीगण वेबसाइट पर अपना निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं।

भोजपाल
स्वदेश भोपाल, 21 अक्टूबर 2016 . 4

आयोजन} सांची विश्वविद्यालय का चौथा धर्म-धम्म सम्मेलन

धर्म के मार्ग से ही हर परेशानी का मिलेगा हल

स्वदेश संवाददाता । भोपाल

धर्म और राजनीति विषय पर सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में चीनी बुद्ध दर्शन, हिंदुत्व और एकात्म और अन्य कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार मंथन हुआ। दूसरे दिन आयोजित चौथे सत्र में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पूर्व सांसद प्रो. रामजी सिंह ने कहा कि धर्म के रास्ते से ही मानवता को हर परेशानी का हल मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि धर्म का कर्तव्य है कि वो गांव, राष्ट्र और विश्व का निर्माण करे। और इसके लिए हमें ऐसे तरीके ढूंढने होंगे जिससे विश्व एक समुदाय के रूप में सामने आ सके। उन्होंने कहा कि धर्म और राज व्यवस्था के संतुलन को साधा जा सकता है। उन्होंने बताया कि धर्म का अर्थ दर्शन तथा पौराणिकता का सामंजस्य है। उन्होंने वर्तमान राजनीति में आए भ्रष्टाचार, पाखंड इत्यादि का भी उल्लेख किया। उन्होंने गोपाल कृष्ण गोखले के कथन उल्लेख किया जिसमें गोखले ने कहा था कि राजनीति का आध्यात्मिकरण किया जाना चाहिए तभी राम राज्य की स्थापना संभव है जिसका की आधार नैतिकता होगी। उनका कहना था कि वर्तमान में तो राजनीति और धर्म को अलग-अलग करके देखा जाता है। पहले समानांतर सत्र में प्रो. गौतम पटेल ने हिंदुत्व की विभिन्न परिभाषाओं को उल्लेखित किया। उन्होंने बताया कि हिंदु शब्द का एक अर्थ यह भी होता है कि ऐसा व्यक्ति जो घृणा से रहित हो, सभी किस्म की बुराइयों से दूर रहता हो और जिसका प्रत्येक कार्य उसके अच्छे मंतव्य को जाहिर करता है।

समापन आज, राज्यपाल होंगे शामिल

21 अक्टूबर को मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकि परिषद (विज्ञान भवन) के सभागार में इस चौथे धर्म-धम्म सम्मेलन का अंतिम और समापन सत्र होगा। समापन सत्र की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल प्रो. ओम प्रकाश कोहली करेंगे। मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री डॉ महेश शर्मा एवं अमेरिकन वैदिक अध्ययन संस्थान के निदेशक वेदाचार्य डेविड फ्रॉले सम्मिलित होंगे। समापन सत्र सुबह 11 बजे आयोजित है। अंतिम दिन समानांतर सत्र में इटली में भारत के पूर्व राजदूत बसंत गुप्ता भी सम्मिलित होंगे।

धर्म सही न्याय देता है

इसी सत्र के दौरान शंघाई विश्वविद्यालय, चीन की प्रोफेसर हेयान शेन ने बताया कि चीनी बुद्ध दर्शन में धर्म को तीन विभिन्न श्रेणीयों में बांटा गया है। उन्होंने कहा कि यही तीन श्रेणियां चीनी बौद्ध दर्शन के तीन अलग-अलग सत्य के सिद्धांत हैं। उन्होंने कहा कि चीनी बौद्ध दर्शन के अनुसार धर्म को सूक्ष्म बताया गया है, और कई स्थानों पर इसी धर्म को मस्तिष्क से भी दर्शाया गया है। धर्म और राजनीति पर नई दिल्ली के शांतिगिरि आश्रम के स्वामी पद्मप्रकाश तपस्वी ने कहा कि धर्म का अर्थ कर्म का अभ्यास है। उन्होंने कहा कि धर्म किसी भी व्यक्ति को सही और गलत के मार्ग के बीच स्पष्टता दर्शाता है और यही न्याय की स्थापना करता है। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी विश्वविद्यालय के प्रो. ब्रिखा नासोराइया ने इसी सत्र में बताया कि गुरु-शिष्य परंपरा ने सदैव से ही मनुष्य को प्रभावित किया है और मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि इसी तरह से मनुष्य अपने पूर्वजों से सीखता आया है। प्रो. ब्रिखा का कहना था कि एकात्मकता और एकीकरण की व्यवहारिक प्रक्रिया ही मनुष्य को आध्यात्मिक अनुशासन सिखाती है।

---

patrika.com
पत्रिका . भोपाल . गुरुवार . 20.10.2016

धर्म धम्म सम्मेलनः मुख्यमंत्री बोले...

जो दूसरों को आनंद दे, शांति लाए, कल्याण करे, वही धर्म

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. विश्व में धर्म के नाम पर सबसे ज्यादा खून बहाया गया है, पर जिसके नाम पर खून बहाया गया है, वह धर्म नहीं, बल्कि उपासना पद्धति है। सत्य, अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह धर्म है। मोह, प्रेम, शांति और आत्मीयता धर्म है, जो दूसरों को आनंद दे, वही धर्म है। यह बात बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि द्वारा आयोजित तीन दिवसीय धर्म धम्म सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर कही।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि जिसमें सबका सुख और सबका कल्याण हो, वही लोकनीति है। लोकनीति ऐसी होनी चाहिए जो इन लक्ष्यों की पूर्ति कर सके। उन्होंने कहा, 'दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को तकलीफ पहुंचाने से बड़ा अधर्म नहीं है। इस तीन दिवसीय सम्मेलन की थीम धर्म और राज व्यवस्था है। इसमें देश-विदेश के लगभग 200 विद्वान भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्म-धम्म सम्मेलन में आए अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों के विचार.विमर्श के बाद मिले निष्कर्ष को प्रदेश में लागू करने के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विवि की काफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। सम्मेलन में अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, श्रीलंका से चिंतक आए हैं।

सम्मेलन में पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण।

धर्म में राजनीति-व्यापार के प्रवेश से पतन तय

पहला सत्र सुबह 11.30 से 01.30 बजे तक चला। इसमें शामिल होने आए होलिस्टिक साइंस रिसर्च सेंटर के डॉ. शैलेश मेहता ने पत्रिका से बातचीत में कहा कि नेताओं को ऐसे बोल नहीं बोलने चाहिए, जिससे विध्वंस हो। उन्होंने कहा कि राजधनीति और व्यापार में धर्म को शामिल किया जाना चाहिए, लेकिन धर्म में राजनीति और व्यापार नहीं होना चाहिए, जिस धर्म में राजनीति और व्यापार प्रवेश कर जाता है उसका पतन तय है।

जो दूसरे को देना सिखाए वही धर्म

कोरिया के येजुएट स्कूल ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन के डीन प्रो. जिओ लिआंग ली ने कहा कि जो दूसरे को देना सिखाए वही धर्म है। रिलीजन और धर्म में यही अंतर है। ली ने थ्योरी भी डेवलप की है, जिसे इम्प्टीनेस नाम दिया है। उनका मानना है कि पूरी दुनिया एक खाली स्थान है, जिसमें सबकुछ भरा है।

धर्म से ही निकला धम्म का सिद्धांत

महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बनगला उपतिस्स नायक थैरो ने कहा कि बुद्ध ने धर्म से चलकर ही धम्म का सिद्धांत दिया था और श्रीलंका से वापिस आकर धम्म धर्म के साथ मिलकर धर्म धम्म बन गया है। गुरुवार को 6 मुख्य एवं 14 तकनीकी सत्र होंगे, जिनमें 150 शोधपत्र पढ़े जाएंगे।

पीपुल्स समाचार
20
अक्टूबर 2016
गुरुवार

दूसरों की भलाई करना ही धर्म है : मुख्यमंत्री

सांची विवि का 'धर्म और राज व्यवस्था' पर सेमिनार

कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, श्रीलंका की महाबोधी सोसायटी के अध्यक्ष थैरो और संस्कृति मंत्री पटवा।

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल
मो.नं. 9407277745

दूसरों की भलाई करना ही धर्म है और किसी को नुकसान पहुंचाना अधर्म। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सांची विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'धर्म और राज व्यवस्था' विषय पर मेपकॉस्ट में आयोजित सेमिनार के उद्‌घाटन समारोह में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सरकार के लिए जरूरी है कि धर्म और राज व्यवस्था से जुड़े विशेषज्ञों से समयांतर चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने शांति की बात पर भी सबसे ज्यादा जोर दिया। कार्यक्रम के उद्‌घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्रीलंका की महाबोधी सोसायटी के अध्यक्ष वेन बनगला उपातिसा नायका थैरो और संस्कृति मंत्री सुरेंद्र पटवा भी मौजूद थे। श्री थैरो ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि धर्म और राजनीति के संबंधों को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मैंने भारत में ही भारतीय दर्शन और बुद्ध ज्ञान प्राप्त किया और सीखा, श्रीलंका में नहीं।

वहीं, संस्कृति मंत्री सुरेंद्र पटवा ने कहा कि मप्र संस्कृति से भरा हुआ है। हमारी सरकार धर्म, राज व्यवस्था के लेकर समय-समय सामंजस्य स्थापित करती आ रही है। मुख्यमंत्री की पहल पर भारत में पहला आनंद मंत्रालय भी मप्र में स्थापित हो रहा है।

CITY LIVE
ainment पत्रिका PLUS .16 Bhopal . Friday . 21/10/2016

राम के हाथ मारा गया बाली

मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित धर्म धम्म सम्मेलन के तहत गुरुवार को 'बालीवध' का प्रदर्शन किया गया। रामायण के इस प्रसंग को नृत्य नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से डॉ. लता सिंह मुंशी ने दिखाया।

the pioneer
BHOPAL | SATURDAY | OCTOBER 22, 2016

'Raj Vyavastha becomes lawless and Vyavastha becomes zero'

STAFF REPORTER ■ BHOPAL

Governor Om Prakash Kohli addressing the concluding programme of Dharm Dhamm Convention here today said that 'Raj Vyavastha' becomes lawless and Vyavastha becomes zero due to lack of religion. Bhagwan Shree Krishna has said in Bhagwat Geeta whenever iniquity expands Bhagwan takes birth to re-establish religion.

Giving simple definition of religion, Kohli said that good behavior with others is religion. Naastik too with good behaviour come under the category of Dharmatma. The fourth International Dharm Dhamm convention was organized by Sanchi Boddha-Bhartiya Gyan Adhyan Vishwavidhlaya at the auditorium of Madhya Pradesh Council of Science and Technology at Bhopal. Chief of Mahabodhi Society of Srilanka Bengala Uptissa Nayak Theoro and Chief of American Society of Vedic Studies David Frale were present on the occasion. Governor Kohli released a book re-published with the cooperation of Sanchi Vishwavidhyalaya and INTACH Bhopal Chapter 'The Monuments of Sanchi' written by Sir John Marshall and Alfred Poocher.

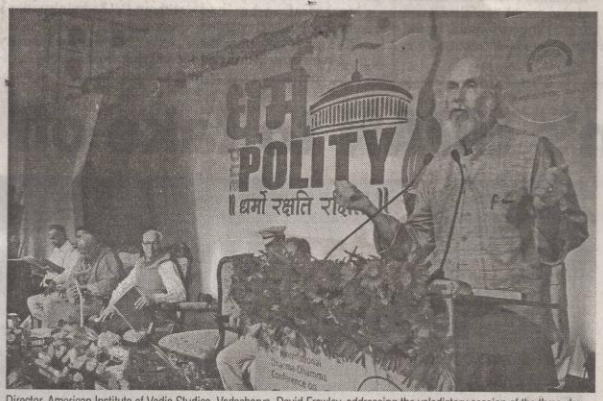

Director, American Institute of Vedic Studies, Vedacharya David Frawley, addressing the valedictory session of the three-day International Dharma-Dhamma Conference on Religion and Polity, organised by Sanchi University of Buddhist-Indic Studies in Bhopal on Friday
Pioneer photo

Kohli further mentioned that basic motto of religion is human welfare and aim of Raj Vyavastha is welfare of citizens

Kohli further mentioned that basic motto of religion is human welfare and aim of Raj Vyavastha is welfare of citizens. Arrangement based on religion is permanent and beneficial. He said that world is witnessing both affluence and oppression today and arrangements based on oppression are not based on religion.

The Governor said that the entire system is based on the duties towards each other and reluctance towards duty will unstable Raj Vyavastha. Speaking about Mahatma Gandhi's favourite Bhajan "Vaishno Jan To Tene Kahiye", Kohli said that who understands travails of others is true religious and righteous. Moreover, conduct of duties with Raj Dharm and Prajadharm is appropriate alternative because there is limit to rule, penalty and law. He termed policy, duty and righteousness as the basic element of religion.

Chief Guest and Chief of Mahabodhi society Bengala expressing satisfaction over the progress of Sanchi Vishwavidhlaya said that religion is a direction to principle of politics. David Frale of American Society of Vedic Studies hoped that Sanchi Vishwavidhyalaya will achieve heights in the field of research and studies beside academics. He mentioned that world is struggling with tension, drugs and violence. Hence, karmayoga based government rule is an appropriate alternative for the progressive state. State Patron of INTACH chapter MM Upadyaya was present in the programme. Conference detail was given by the vice chancellor of the university Acharya Prof Yajneshwar Shastri in the concluding programme. Registrar Rajesh Gupta gave vote of thanks.

Around 200 scholars and thinkers from America, Thailand, Myanmar, Cambodia, Korea, China, Australia, Germany, Britain, Srilanka, Bangladesh, Bhutan and Nepal took part in the programme. Almost 150 Research papers were presented in 6 main sessions and 14 technical sessions. Vice Chancellors of various universities, philosophers and prominent scholars of Bhartiya philosophy were present in large numbers.

सांध्य प्रकाश 10
भोपाल, शुक्रवार 21 अक्टूबर 2016

राज्यपाल ने किया धर्म और राजनीति सम्मेलन का समापन

धर्म ही आचरण है: कोहली

नगर प्रतिनिधि, भोपाल

धर्म और राजनीति विषय पर सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन में चीनी बुद्ध दर्शन हिंदुत्व और एकात्म और अन्य कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार मंथन किया गया। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सभागार में आयोजित सम्मेलन के समापन अवसर पर आज राज्यपाल ओमप्रकाश कोहली ने कहा कि धर्म और राजनीति को सुनने में अलग-अलग लगता है, ऐसा भी लगता है यह एक-दूसरे के विरोधी हैं। मौजूदा दौर में इसे समाज के सामने अलग ढंग से बताया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि धर्म आचरण है। किसी भी राज व्यवस्था में मंगल होना चाहिए यदि वहां का राजा प्रजा के लिए अच्छे निर्णय लेकर जनहित के कार्य करता है तो यह राजधर्म है। श्री कोहली ने कहा है कि धर्म का सटीक विवरण भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में किया है। गीता में कहा है कि जब-जब समाज में धर्म खतरे में होगा या उस पर संकट आएगा तो वह आकर धर्म की रक्षा करेंगे। मनुष्य को सदा दूसरे के प्रति अपने आचरण को अच्छा रखना चाहिए, जैसा व्यवहार वह करता है उससे उसके आचरण का पता चलता है। सदाचारी बनने से ही धर्म की रक्षा की जा सकती है। कार्यक्रम में राज्यपाल ने एक पुस्तक द मॉनुमेन्ट्स ऑफ सांची का विमोचन किया। इस अवसर प्रमुख रूप से अमेरिकन इस्टीट्यूट के वैदिक डायरेक्टर वैदाचार्य डेविड फ्रावले, सांची विवि के कुलपति प्रो. ज्ञानेश्वर शास्त्री, एमएम उपाध्याय, बेन बनागला उपातिस्सा नायके थैरो, बसंत गुप्ता आदि मौजूद थे। इस अवसर पर श्री थैरो ने कहा कि भगवान बौद्ध ने अहिंसा का संदेश दिया है। उन्होंने कहा अहिंसा का मार्ग अपनाकर ही देश और समाज की प्रगति की जा सकती है। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने कहा कि धर्म के रास्ते से ही मानवता को हर परेशानी का हल मिल सकेगा। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि धर्म और राज व्यवस्था के संतुलन को साधा जा सकता है। धर्म का अर्थ दर्शन तथा पौराणिकता का सामंजस्य है। वर्तमान राजनीति में आए भ्रष्टाचार, पाखंड इत्यादि का भी उल्लेख किया। तीन दिवसीय धर्म-राजनीति सम्मेलन में अमेरिका,जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, चीन, कोरिया, थाइलैंड और श्रीलंका से शोधकर्ता शामिल हुए।

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL
SATURDAY, OCTOBER 22, 2016

Man on mission to save smallest community

TIMES NEWS NETWORK

Rajeev Sarathe

Governor OP Kohli addressing at the valedictory function of International Dharma Dhamma conference in Bhopal on Friday

Bhopal: He is on a mission to search followers of Mandaeans, a community which follows Mandaeism, religious tradition of John the Baptist. Prof Brikha H. S Nasoraia from Australia, the high priest of the Mandaeans, which has hardly 90,000 followers across the world, is attending Dharma-Dhamma international conference being organised in the state capital. In a chat with TOI, Prof Nasoraia said his mission is to find followers across the world. The three-day conference concluded on Friday.

DHARMA-DHAMMA CONFERENCE

Mandaeism is believed to be smallest religious community in the world. "Several literatures have been claiming the presence of Mandaeans in India a couple of centuries ago. Visiting India gives me an opportunity to search followers of them if any left in the country," said Nasoraia. Dressed in a plain white shirt, white trousers and a turban to match, Prof Nasoraia stood out in the gathering at the conference. Mandaenism is founded on five principles — light, life, love, purity and peace. "Owing to this,there is strong correlation between Hinduism, Buddhism and Mandaeism. We believe that Adam was the first complete human, spiritually inspired to receive message of these principles, basis of everything," professor said.

He said Mandaeans are a peace-loving religious community. "They are neither allowed to kill any one, nor carry any weapons, not even to defend themselves. During the ancient time, they lived in Middle East. Today, they number is around 90,000. We don't marry outside religion and don't accept converts, either," he said. Nasoraia said such gathering helps in understanding important religions.

Addressing the concluding session, Governor Om Prakash Kohli said, 'Raj Vyavastha' becomes lawless and Vyavastha become zero due to lack of religion. The convention was organized by Sanchi Boddha-Bhartiya Gyan Adhyan Vishwavidhlaya at auditorium of Madhya Pradesh Council of Science and Technology in Bhopal.

भोपाल ■ शनिवार, 22 अक्टूबर 2016 सुबह सवेरे

धर्म एवं राजव्यवस्था पर अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का समापन

धर्म के अनुशासन के बिना राज व्यवस्था अराजक : कोहली

सुबह सवेरे, भोपाल

धर्म का मूल उद्देश्य मानव का मंगल है और राजव्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों का मंगल है। व्यवस्था धर्म की धुरी पर टिकी हो तो स्थिर एवं कल्याणकारी होती है। विश्व में कल्याणकारी और उत्पीड़नकारी व्यवस्था चल रही है और उत्पीड़न वाली व्यवस्था धर्म आधारित नहीं है। धर्म के अभाव में राजव्यवस्था अराजक और व्यवस्था शून्य हो जाती है। सदाचार यानि दूसरों के प्रति अच्छा आचरण ही धर्म है और सदाचार पालन करने वाले नास्तिक होकर भी धर्मात्मा की श्रेणी में आते है।

यह बात राज्यपाल प्रो. ओपी कोहली ने सांची विश्वविद्यालय के द्विवार्षिक आयोजन धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कही। प्रो. कोहली ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि पूरा तंत्र एक दूसरे के प्रति किए जाने वाले कर्तव्यों पर टिका हुआ है और अगर कोई भी कर्तव्य पथ से हटता है तो पूरी राजव्यवस्था अस्थिर हो जाएगी। राजधर्म और प्रजाधर्म के साथ कर्तव्य पालन ही उपयुक्त विकल्प है क्योंकि सत्ता, दंड और कानून की अपनी सीमाएं है। उन्होंने नीति, कर्तव्य और सदाचार को धर्म का सार तत्त्व बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बनगला उपतिस्स नायक थैरो ने सांची विश्वविद्यालय की प्रगति पर संतुष्टि जताते हुए, कहा कि धर्म को राजनीति का दिशानिर्देशक सिद्धांत करार दिया।

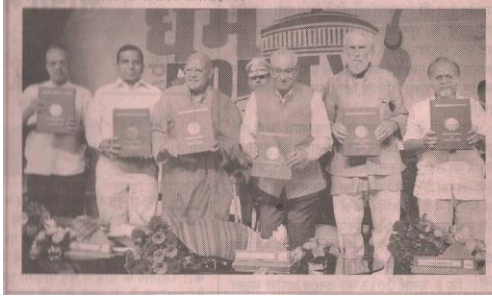

विशिष्ट अतिथि और अमेरिकन सोसायटी ऑफ वैदिक स्टडीज़ के प्रमुख डेविड फ्रॉले ने उम्मीद जताई कि सांची विश्वविद्यालय शोध एवं अध्ययन, अध्यापन के क्षेत्र में अलग मुकाम हासिल करेगा। उन्होने कहा कि दुनिया तनाव, ड्रग्स और हिंसा से जूझ रही है ऐसे में कल्याणकारी राज्य के लिए कर्मयोग आधारित शासनव्यवस्था उचित विकल्प हो सकती है। कार्यक्रम में इंटेक भोपाल चैप्टर के स्टेट पेट्रॉन श्री एम एम उपाध्याय भी मौजूद थे।

समापन सत्र में सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो यज्नेश्वर शास्त्री ने स्वागत भाषण देते हुए कॉन्फ्रेंस का ब्यौरा पेश किया। विश्वविद्यालय के कुलसंचिव राजेश गुप्ता ने आभार प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकि परिषद(विज्ञान भवन) के सभागार में संपन्न हुए सम्मेलन में अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से दर्शन के करीब 200 विद्वान और चिंतकों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में 6 मुख्य सत्रों के साथ 14 तकनीकी सत्रों में करीब 150 शोध पत्र पेश किए गए। समापन समारोह में राज्यपाल कोहली ने सांची विश्वविद्यालय और इंटेक भोपाल चैप्टर के सहयोग से सर जॉन मॉर्शल और अल्फ्रेड फूचर की पुनर्प्रकाशित किताब द मॉन्यूमेंट्स ऑफ सांची का भी लोकार्पण किया।

नव भारत

भोपाल, शनिवार, 22 अक्टूबर, 2016

चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय धर्म – धम्म सम्मेलन में बोले राज्यपाल कोहली

धर्म बिना राज व्यवस्था शून्य

भोपाल 21 अक्टूबर. राज्यपाल ओम प्रकाश कोहली ने आज यहां धर्म - धम्म सम्मेलन के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि धर्म के अभाव में राज व्यवस्था अराजक और व्यवस्था शून्य हो जाती है. उन्होंने धर्म की सरल परिभाषा देते हुए कहा कि सदाचार यानि दूसरों के प्रति अच्छा आचरण ही धर्म है.

सदाचार पालन करने वाले नास्तिक होकर भी धर्मात्मा की श्रेणी में आते हैं. भोपाल में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकी परिषद (विज्ञान भवन) के सभागार में संपन्न चतुर्थ अंतराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन का आयोजन सांची बौद्ध - भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था.- इस अवसर पर महाबोधि सोसयटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बेनगला उपतिस्सा नायक थैरो और अमेरिकन सोसायटी ऑफ वैदिक स्टडीज के प्रमुख डॅविड फ्रॉले भी उपस्थित थे. इस अवसर पर राज्यपाल कोहली ने सांची विश्वविद्यालय और इंटेक भोपाल चेप्टर के सहयोग से सर जॉन मॉर्शल और अल्फ्रेंड फूचर की पुनर्प्रकाशित पुस्तक द मॉन्यूमेंट्स ऑफ सांची का विमोचन किया.

राजनीति का नीति निर्देशक है धर्म

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बेनगला उपतिस्सा नायक थैरो ने धर्म को राजनीति का दिशा निर्देशक सिद्धांत करार दिया. उन्होंने कहा कि दुनिया तनाव, ड्रग्स और हिंसा से जूझ रही है ऐसे में कल्याणकारी राज्य के लिए कर्मयोग आधारित शासन व्यवस्था उचित विकल्प हो सकती है. कार्यक्रम में इंटेक भोपाल चेप्टर के स्टेट पेट्रन एम. एम. उपाध्याय भी मौजूद थे.

सम्मेलन में अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से दर्शन के करीब 200 विद्वान और चिंतकों ने हिस्सा लिया.

मुझे बहुत गर्व हो रहा है, इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर. मैं भारतीय धर्म, संस्कृति और समाज से बहुत प्रभावित हूं. जितनी बार भारत आता हूं, हर बार कुछ नया मिलता है. ऐसे आयोजन होते रहना चाहिये.

डेविड फ्रावले, वेदाचार्य
निदेशक अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ वैदिक

बौद्ध धर्म की शिक्षाओं से समाज में समाप्त अनैतिकता एवं दुराचार को खत्म करना है. धर्म और राजनीति दोनों के सामंजस्य से भारतीय संविधान का बेहतर तरीके से पालन हो सकता है.

डॉ. सुमेध, बौद्ध भिक्षु

इस तरीके के कार्यक्रम में शामिल होकर धर्म और राजनीति को नये नजरिये से देखने की दृष्टि मिलती है. ऐसे कार्यक्रम का आयोजन होते रहना चाहिये.

धनसिंह अहिरवार

धर्म और राजनीति दोनों के मेलजोल से बेहतर संविधान का पालन हो सकता है. सभी अतिथि विद्वानों के वक्तव्य में बहुत कुछ जानने को मिला

चंद्रभान अहिरवार

बहुत अदभुत कार्यक्रम है. यहां आने के बाद बौद्ध धर्म के बारे में बहुत कुछ जान पाया हूं. धर्म के प्रति नजरिये में बदलाव आया है.

प्रो. आर.पी. शाक्य

धर्म एवं राजव्यवस्था पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर राज्यपाल ने कहा -

उत्पीड़न वाली व्यवस्था धर्म आधारित नहीं

13 देशों के करीब 2 सौ प्रतिनिधियों ने की शिरकत

रायसेन, देशबन्धु

धर्म का मूल उद्देश्य मानव का मंगल है और राजव्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों का मंगल है और व्यवस्था धर्म की धुरी पर टिकी हो तो स्थिर एवं कल्याणकारी होती है। भोपाल में आयोजित सांची विश्वविद्यालय के द्विवार्षिक आयोजन धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश के राज्यपाल प्रो. ओपी कोहली ने ये उद्गार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि विश्व में कल्याणकारी और उत्पीड़नकारी व्यवस्था चल रही है और उत्पीड़न वाली व्यवस्था धर्म आधारित नहीं है। प्रो. कोहली ने कहा कि धर्म के अभाव में राजव्यवस्था अराजक और व्यवस्था शून्य हो जाती है। भगवान कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि जब जब अधर्म बढ़ता है तो धर्म की स्थापना के लिए भगवान जन्म लेते है। उन्होने धर्म की सरल परिभाषा देते हुए कहा कि सदाचार यानि दूसरों के प्रति अच्छा आचरण ही धर्म है और सदाचार पालन करने वाले नास्तिक होकर भी धर्मात्मा की श्रेणी में आते है। उन्होंने कहा कि पूरा तंत्र एक दूसरे के प्रति किए जाने वाले कर्तव्यों पर टिका हुआ है और अगर कोई भी कर्तव्यच्युत होता है तो पूरी राजव्यवस्था अस्थिर हो जाएगी। उन्होने गांधीजी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने रे कहिए का जिक्र करते हुए कहा कि दूसरों की पीड़ा समझने वाला ही सच्चे अर्थों में धार्मिक और सदाचारी नागरिक है। धर्म की परिभाषा को गहन विस्तार देते हुए माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि राजधर्म और प्रजाधर्म के साथ कर्तव्य पालन ही उपयुक्त विकल्प है क्योंकि सत्ता, दंड और कानून की अपनी सीमाएं है। उन्होने नीति, कर्तव्य और सदाचार को धर्म का सार तत्व बताया। माननीय राज्यपाल महोदय ने सांची विश्वविद्यालय और इटेक भोपाल चैप्टर के सहयोग से सर जॉन मॉर्शल और अलफ्रेड फूचर की पुनर्प्रकाशित किताब द मॉन्यूमेंट्स ऑफ्सांची (जैम डवदनठमदजे वर्िंदबीप) का भी लोकार्पण किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बनगला उपतिस्स नायक थैरो ने सांची विश्वविद्यालय की प्रगति पर संतुष्टि जताते हुए कहा कि धर्म को राजनीति का दिशानिर्देशक सिंद्धांत करार दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और अमेरिकन सोसायटी ऑफवैदिक स्टडीज् के प्रमुख डेविड फ्रॉले ने सांची विश्वविद्यालय को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि सांची विश्वविद्यालय शोध एवं अध्ययन, अध्यापन के क्षेत्र में अलग मुकाम हासिल करेगा। समापन सत्र में सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो यज्नेश्वर शास्त्री ने स्वागत भाषण देते हुए कॉन्फ्रेंस का ब्यौरा पेश किया। भोपाल में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकि परिषद(विज्ञान भवन) के सभागार में संपन्न हुए सम्मेलन में अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से दर्शन के करीब 200 विद्वान और चिंतकों ने हिस्सा लिया।

भोपाल, शनिवार 22 अक्टूबर, 2016

अभिव्यक्ति

दैनिक भास्कर, भोपाल, शनिवार 22 अक्टूबर, 2016

भोपाल

धर्म-धम्म सम्मेलन | अमेरिकन सोसायटी ऑफ वैदिक स्टडीज के प्रमुख फ्रॉले ने बताया विकल्प, कहा-

दुनिया को तनाव व हिंसा से बचाने कर्मयोग आधारित व्यवस्था जरूरी

दुनिया तनाव, ड्रग्स और हिंसा से जूझ रही है ऐसे में कर्मयोग आधारित शासन व्यवस्था उचित विकल्प हो सकती है। धर्म में नियमों का पालन करने की बात कही गई है। आज समाज और देश हिंसा और तमाम बुराइयों से जूझ रहे हैं, ऐसी स्थिति में धर्म ही सही दिशा दिखाने का काम कर सकता है। यह कहना है अमेरिकन सोसायटी ऑफ वैदिक स्टडीज के प्रमुख डेविड फ्रॉले का। वे सांची बौद्ध- भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के मेपकॉस्ट में आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि धर्म में बताए गए नियमों का पालन नहीं करने से ही दुनिया कई तरह की बुराइयों से जूझ रही है। उम्मीद जताई कि सांची विश्वविद्यालय शोध एवं अध्ययन, अध्यापन के क्षेत्र में अलग मुकाम हासिल करेगा। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का शुक्रवार को समापन किया गया।

धर्म राजनीति का दिशा निर्देशक : नायका थैरो

धर्म के अभाव में शून्य हो जाती राज व्यवस्था

समापन } सांची वि[illegible] के द्विवार्षिक आयोजन धर्म-धम्म सम्मेलन का हुआ समापन

धर्म के बिना राज व्यवस्था शून्य और अराजक

विभिन्न देशों के 200 विद्वान हुए शामिल

शोध-अध्ययन में अलग मुकाम बनेगा

स्वदेश भोपाल, 22 अक्टूबर 2016 3

4 प्रदेश टुडे भोपाल, सोमवार, 24 अक्टूबर 2016

दैनिक जागरण
22 अक्टूबर, 2016

धर्म बिना राज व्यवस्था शून्य और अराजक

चतुर्थ अंतराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन में बोले राज्यपाल

एल एन स्टार
भोपाल, शनिवार
22 अक्टूबर 2016 | 3

धर्म बिना राज व्यवस्था शून्य और अराजक

भोपाल। राज्यपाल ओम प्रकाश कोहली ने आज यहां धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि धर्म के अभाव में राज व्यवस्था अराजक और व्यवस्था शून्य हो जाती है। भगवान कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि जब-जब अधर्म बढ़ता है तो धर्म की स्थापना के लिए भगवान जन्म लेते हैं। उन्होंने धर्म की सरल परिभाषा देते हुए कहा कि सदाचार यानि दूसरों के प्रति अच्छा आचरण ही धर्म है। सदाचार पालन करने वाले नास्तिक होकर भी धर्मात्मा की श्रेणी में आते हैं। भोपाल में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकी परिषद (विज्ञान भवन) के सभागार में संपन्न चतुर्थ अंतराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन का आयोजन सांची बौद्ध- भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। इस अवसर पर महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बेनगला उपतिस्सा नायक थैरो और अमेरिकन सोसायटी ऑफ वैदिक स्टडीज के प्रमुख डेविड फ्रॉले भी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल श्री कोहली ने सांची विश्वविद्यालय और इंटेक भोपाल चेप्टर के सहयोग से सर जॉन मॉर्शल और अल्फ्रेड फूचर की पुनर्प्रकाशित पुस्तक द मॉन्यूमेंट्स ऑफ सांची' का विमोचन किया।

» चतुर्थ अंतराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन में राज्यपाल ने कहा

राज्यपाल श्री कोहली ने कहा कि धर्म का मूल उद्देश्य मानव का मंगल है और राज व्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों का मंगल है। व्यवस्था धर्म की धुरी पर टिकी हो, तो स्थिर एवं कल्याणकारी होती है। उन्होंने कहा कि विश्व में कल्याणकारी और उत्पीड़नकारी व्यवस्था चल रही है और उत्पीड़न वाली व्यवस्था धर्म आधारित नहीं है। राज्यपाल श्री कोहली ने कहा कि पूरा तंत्र एक दूसरे के प्रति किए जाने वाले कर्तव्यों पर टिका हुआ है और अगर कोई भी कर्तव्यच्युत होता है तो पूरी राज व्यवस्था अस्थिर हो जाएगी। राज्यपाल ने महात्मा गांधी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने रे कहिए' का जिक्र करते हुए कहा कि दूसरों की पीड़ा समझने वाला ही सच्चे अर्थों में धार्मिक और सदाचारी नागरिक है। राज्यपाल श्री कोहली ने कहा कि राजधर्म और प्रजाधर्म के साथ कर्तव्य पालन ही उपयुक्त विकल्प है क्योंकि सत्ता, दंड और कानून की अपनी सीमाएं हैं। उन्होंने नीति, कर्तव्य और सदाचार को धर्म का सार तत्व बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बेनगला उपतिस्सा नायक थैरो ने सांची विश्वविद्यालय की प्रगति पर संतुष्टि जताते हुए धर्म को राजनीति का दिशा निर्देशक सिद्धांत करार दिया।

नया इंडिया मध्यप्रदेश भोपाल
शनिवार, 22 अक्टूबर 2016 पेज-3

धर्म बिना राज व्यवस्था शून्य : राज्यपाल

चतुर्थ अंतराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का समापन

भोपाल। राज्यपाल ओम प्रकाश कोहली ने धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि धर्म के अभाव में राज व्यवस्था अराजक और व्यवस्था शून्य हो जाती है। भगवान कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि जब-जब अधर्म बढ़ता है तो धर्म की स्थापना के लिए भगवान जन्म लेते हैं। उन्होंने धर्म की सरल परिभाषा देते हुए कहा कि सदाचार यानि दूसरों के प्रति अच्छा आचरण ही धर्म है। सदाचार पालन करने वाले नास्तिक होकर भी धर्मात्मा की श्रेणी में आते हैं। भोपाल में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकी परिषद (विज्ञान भवन) के सभागार में संपन्न चतुर्थ अंतराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन का आयोजन सांची बौद्ध- भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। इस अवसर पर महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बेनगला उपतिस्सा नायक थैरो और अमेरिकन सोसायटी ऑफ वैदिक स्टडीज के प्रमुख डेविड फ्रॉले भी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल श्री कोहली ने सांची विश्वविद्यालय और इंटेक भोपाल चेप्टर के सहयोग से सर जॉन मॉर्शल और अल्फ्रेड फूचर की पुनर्प्रकाशित पुस्तक द मॉन्यूमेंट्स ऑफ सांची का विमोचन किया। श्री कोहली ने कहा कि धर्म का मूल उद्देश्य मानव का मंगल है और राज व्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों का मंगल है। व्यवस्था धर्म की धुरी पर टिकी हो, तो स्थिर एवं कल्याणकारी होती है। उन्होंने कहा कि विश्व में कल्याणकारी और उत्पीड़नकारी व्यवस्था चल रही है और उत्पीड़न वाली व्यवस्था धर्म आधारित नहीं है। श्री कोहली ने कहा कि पूरा तंत्र एक दूसरे के प्रति किए जाने वाले कर्तव्यों पर टिका हुआ है और अगर कोई भी कर्तव्यच्युत होता है तो पूरी राज व्यवस्था अस्थिर हो जाएगी। राज्यपाल ने महात्मा गांधी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने रे कहिए' का जिक्र करते हुए कहा कि दूसरों की पीड़ा समझने वाला ही सच्चे अर्थों में धार्मिक और सदाचारी नागरिक है। राज्यपाल ने कहा कि राजधर्म और प्रजाधर्म के साथ कर्तव्य पालन ही उपयुक्त विकल्प है क्योंकि सत्ता, दंड और कानून की अपनी सीमाएं हैं। उन्होंने नीति, कर्तव्य और सदाचार को धर्म का सार तत्व बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बेनगला उपतिस्सा नायक थैरो ने सांची-विश्वविद्यालय की प्रगति पर संतुष्टि जताते हुए धर्म को राजनीति का दिशा निर्देशक सिद्धांत करार दिया। अमेरिकन सोसायटी ऑफ वैदिक स्टडीज के प्रमुख डेविड फ्रॉले ने उम्मीद जताई कि सांची विश्वविद्यालय शोध एवं अध्ययन, अध्यापन के क्षेत्र में अलग मुकाम हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया तनाव, ड्रग्स और हिंसा से जूझ रही है ऐसे में कल्याणकारी राज्य के लिए कर्मयोग आधारित शासन व्यवस्था उचित विकल्प हो सकती है। कार्यक्रम में इंटेक भोपाल चेप्टर के स्टेट पेट्रन श्री एम. एम. उपाध्याय भी मौजूद थे। समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. यत्नेश्वर शास्त्री ने कॉन्फ्रेंस का ब्यौरा पेश किया। कुलसचिव श्री राजेश गुप्ता ने आभार माना। सम्मेलन में अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया,अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से दर्शन के करीब 200 विद्वान और चिंतकों ने हिस्सा लिया।

नईदुनिया भोपाल, 22 अक्टूबर 2016 3

धर्म बिना राज व्यवस्था शून्य और अराजकः कोहली

भोपाल (वार्ता)।

राज्यपाल श्री ओम प्रकाश कोहली ने आज यहाँ धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि धर्म के अभाव में राज व्यवस्था अराजक और व्यवस्था शून्य हो जाती है। भगवान कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि जब-जब अधर्म बढ़ता है तो धर्म की स्थापना के लिए भगवान जन्म लेते हैं। उन्होंने धर्म की सरल परिभाषा देते हुए कहा कि सदाचार यानि दूसरों के प्रति अच्छा आचरण ही धर्म है।

सदाचार पालन करने वाले नास्तिक होकर भी धर्मात्मा की श्रेणी में आते हैं। भोपाल में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकी परिषद (विज्ञान भवन) के सभागार में संपन्न चतुर्थ अंतराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन का आयोजन सांची बौद्ध- भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। इस अवसर पर महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बेनगला उपतिस्सा नायक थैरो और अमेरिकन सोसायटी ऑफ वैदिक स्टडीज के प्रमुख डेविड फ्रॉले भी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री कोहली ने सांची विश्वविद्यालय और इंटेक भोपाल चेप्टर के सहयोग से सर जॉन मॉर्शल और अल्फ्रेड फूचर की पुनर्प्रकाशित पुस्तक द मॉन्यूमेंट्स ऑफ सांची का विमोचन किया। श्री कोहली ने कहा कि धर्म का मूल उद्देश्य मानव का मंगल है और राज व्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों का मंगल है। व्यवस्था धर्म की धुरी पर टिकी हो, तो स्थिर एवं कल्याणकारी होती है। उन्होंने कहा कि विश्व में कल्याणकारी और उत्पीड़नकारी व्यवस्था चल रही है और उत्पीड़न वाली व्यवस्था धर्म आधारित नहीं है। श्री कोहली ने कहा कि पूरा तंत्र एक दूसरे के प्रति किए जाने वाले कर्तव्यों पर टिका हुआ है और अगर कोई भी कर्तव्यच्युत होता है तो पूरी राज व्यवस्था अस्थिर हो जाएगी। राज्यपाल ने महात्मा गांधी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने रे कहिए का जिक्र करते हुए कहा कि दूसरों की पीड़ा समझने वाला ही सच्चे अर्थों में धार्मिक और सदाचारी नागरिक है। राज्यपाल ने कहा कि राजधर्म और प्रजाधर्म के साथ कर्तव्य पालन ही उपयुक्त विकल्प है क्योंकि सत्ता, दंड और कानून की अपनी सीमाएँ हैं। उन्होंने नीति, कर्तव्य और सदाचार को धर्म का सार तत्व बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बेनगला उपतिस्सा नायक थैरो ने सांची-विश्वविद्यालय की प्रगति पर संतुष्टि जताते हुए धर्म को राजनीति का दिशा निर्देशक सिद्धांत करार दिया। अमेरिकन सोसायटी ऑफ वैदिक स्टडीज के प्रमुख डेविड फ्रॉले ने उम्मीद जताई कि सांची विश्वविद्यालय शोध एवं अध्ययन, अध्यापन के क्षेत्र में अलग मुकाम हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया तनाव, ड्रग्स और हिंसा से जूझ रही है ऐसे में कल्याणकारी राज्य के लिए कर्मयोग आधारित शासन व्यवस्था उचित विकल्प हो सकती है। कार्यक्रम में इंटेक भोपाल चेप्टर के स्टेट पेट्रन श्री एम. एम. उपाध्याय भी मौजूद थे। समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. यत्नेश्वर शास्त्री ने कॉन्फ्रेंस का ब्यौरा पेश किया। कुलसचिव श्री राजेश गुप्ता ने आभार माना। सम्मेलन में अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया,अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से दर्शन के करीब 200 विद्वान और चिंतकों ने हिस्सा लिया।

भोपाल 22 अक्टूबर 2016
पूर्णविराम

सम्मेलन » राज्यपाल ने की सांची में धर्म-धम्म समारोह की अध्यक्षता

धर्म का मूल उद्देश्य मानव-समाज का मंगल- राज्यपाल

पूर्णविराम संवाददाता ■ रायसेन

धर्म का मूल उद्देश्य मानव का मंगल है और राजव्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों का मंगल है और व्यवस्था धर्म की धुरी पर टिकी हो तो स्थिर एवं कल्याणकारी होती है। भोपाल में आयोजित सांची विश्वविद्यालय के द्विवार्षिक आयोजन धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश के राज्यपाल माननीय ओपी कोहली ने ये उद्गार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि विश्व में कल्याणकारी और उत्पीड़नकारी व्यवस्था चल रही है और उत्पीड़न वाली व्यवस्था धर्म आधारित नहीं है। प्रो. कोहली ने कहा कि धर्म के अभाव में राजव्यवस्था अराजक और व्यवस्था शून्य हो जाती है। भगवान कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि जब जब अधर्म ब?ता है तो धर्म की स्थापना के लिए भगवान जन्म लेते है। उन्होने धर्म की सरल परिभाषा देते हुए कहा कि सदाचार यानि दूसरों के प्रति अच्छा आचरण ही धर्म है और सदाचार पालन करने वाले नास्तिक होकर भी धर्मात्मा की श्रेणी में आते है।

उन्होंने कहा कि पूरा तंत्र एक दूसरे के प्रति किए जाने वाले कर्तव्यों पर टिका हुआ है और अगर कोई भी कर्तव्यच्युत होता है तो पूरी राजव्यवस्था अस्थिर हो जाएगी। उन्होंने गांधीजी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने रे कहिए का जिक्र करते हुए कहा कि दूसरों की पीड़ा समझने वाला ही सच्चे अर्थो में धार्मिक और सदाचारी नागरिक है। धर्म की परिभाषा को गहन विस्तार देते हुए माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि राजधर्म और प्रजाधर्म के साथ कर्तव्य पालन ही उपयुक्त विकल्प है क्योंकि सत्ता, दंड और कानून की अपनी सीमाएं है। उन्होने नीति, कर्तव्य और सदाचार को धर्म का सार तत्त्व बताया। माननीय राज्यपाल महोदय ने सांची विश्वविद्यालय और इंटेक भोपाल चैप्टर के सहयोग से सर जॉन मॉर्शल और अल्फ्रेड फूचर की पुनर्प्रकाशित किताब द मॉन्यूमेंट्स ऑफ सांची (जेम डवदनउमदजे वि "दबीप) का भी लोकार्पण किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका के प्रमुख बनगला उपतिस्स नायक थैरो ने सांची विश्वविद्यालय की प्रगति पर संतुष्टि जताते हुए कहा कि धर्म को राजनीति का दिशानिर्देशक सिद्धांत करार दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और अमेरिकन सोसायटी ऑफ वैदिक स्टडी के प्रमुख डेविड फ्रॉले ने सांची विश्वविद्यालय को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि सांची विश्वविद्यालय शोध एवं अध्ययन, अध्यापन के क्षेत्र में अलग मुकाम हासिल करेगा। समापन सत्र में सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो यज्नेश्वर शास्त्री ने स्वागत भाषण देते हुए कॉन्फ्रेंस का ब्यौरा पेश किया। भोपाल में मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकि परिषद (विज्ञान भवन) के सभागार में संपन्न हुए सम्मेलन में अमेरिका, थाइलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से दर्शन के करीब 200 विद्वान और चिंतकों ने हिस्सा लिया।